चरण कमल बंदों हरि राई भजन लिरिक्स

चरण कमल बंदों हरि राई,
जाकी कृपा पंगु गिरी लंगे,
अंधे को सब कछु दरसाई,
चरण कमल बंदों हरि राई।bd।

बहिरो सुने मुक पुनि बोले,
रंक चले सिर छत्र धराई,
चरण कमल बंदों हरि राई।bd।

सूरदास स्वामी करुणामय,
बार बार बंदो सिर नाई,
चरण कमल बंदों हरि राई।bd।

चरण कमल बंदों हरि राई,
जाकी कृपा पंगु गिरी लंगे,
अंधे को सब कछु दरसाई,
चरण कमल बंदों हरि राई।bd।

गायक – अनूप जलोटा जी।
प्रेषक – ऋषि कुमार विजयवर्गीय।
70000 73009

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com